१. आवश्यकतापर आधारित उपक्रम

अ) संस्कृति और कार्यजगत की पहचान

१. बारिश

टप् टप् टप् टप् होती बरसात
गुन गुन गुन गुन बजते गीत
झर झर झर झर बहता रहता
छप छप छप छप ताल भरता
भर भर भर भर पेड़ भीगते
सर सर सर सर पत्तें हँसते
टप टप टप टप होती बरसात
चलो गाएँ हम बारिश के गीत
चलो गाएँ हम बारिश के गीत

मेरी कृति

बालगीत अभिनय के साथ गाएँ ।

समाचारपत्रों, पत्रिकाओं और स्वरचित बालगीतों को संकलित करें। योग्य उच्चारणों के साथ विद्‌यार्थियों से कहलवाएँ। उच्चारण स्पष्ट हों। बालगीतों को प्रसंगों के अनुसार गाने के लिए प्रोत्साहन दें।

१.२ कार्यजगत

क्षेत्र से विभिन्न उद्योग व्यवसाय संबंधी चित्र दिखाकर जानकारी दें। चित्र वर्णन ले।

१.३. क्षेत्र पहचान

विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण और वर्णन करने के लिए कहें। परिसर की सब्जी मंडी, दूकाने, विद्यालय, अस्पताल में जाकर कक्षा में उसपर खुली चर्चा कराएँ।

१.४ कक्षा का सुशोभन

तुम्हें कौन-सी कक्षा पसंद आएगी? ✓ ऐसा चिह्न लगाओ।

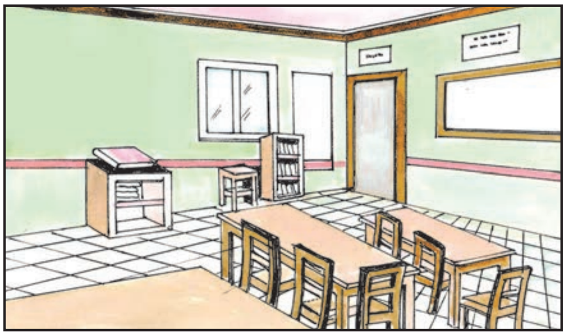

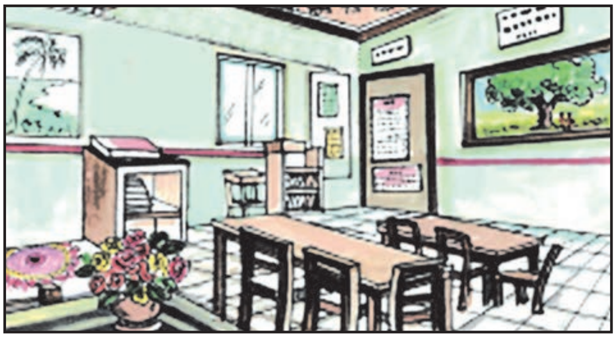

कक्षा को सजाने के लिए मैंने इन साधनों का उपयोग किया।

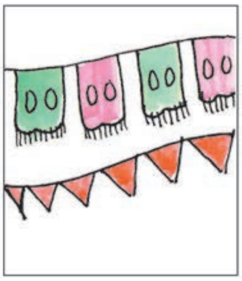

मेरी कृति

कक्षा को सुशोभित करते समय इन वस्तुओं का भी उपयोग कर सकते हैं। वस्तुओं के चित्र चिपकाओ।

दोनों चित्रों की तुलना करवाएँ। कक्षा को सुशोभित करते समय दीवारों, बरामदा, सीढ़ी, काठ की सीढ़ियाँ और खिड़कियों की रचना किस प्रकार की है, उसपर चर्चा करवाएँ। कक्षा को सुशोभित करने के लिए वस्तुओं के चित्र चिपकवाएँ।

१.५ निरीक्षण करेंगे–पानी पीने की पद्धतियाँ

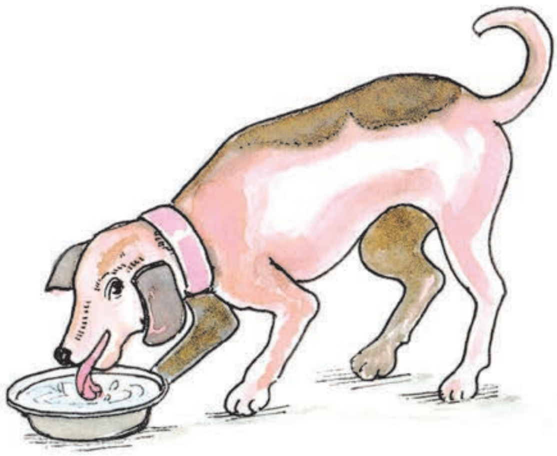

मेरी कृति

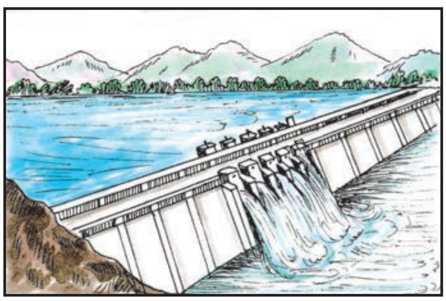

विद्यार्थियों को चित्र का निरीक्षण करने के लिए कहकर प्रत्येक चित्र में दर्शाई पानी पीने की पद्धति के बारें में पूछें। विद्यार्थियों को चित्र पहचानने के लिए कहें।

(ब) जल साक्षरता

जल प्रवाह

बरसो-बरसो बरखा रानी
धरती पर हो पानी ही पानी
कुएँ, नदी, ताल भरेंगे
पंछी-प्राणी पानी पीएँगे।

मेरी कृति

चित्र में कौआ और घड़ा दिखाई दे रहा है। इसपर कथा कहें।

विद्यार्थियों को चित्र में दर्शाएँ जल प्रवाहों को पहचानने के लिए कहें। चित्रों में दिखाई दे रहे प्राणियों को पहचानने के लिए कहें। व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से बालगीत कहलवाएँ।

पानी का उपयोग

योग्य-अयोग्य पहचाने। योग्य चित्र के आगे ✓ ऐसा चिह्न तथा अयोग्य चित्र के आगे ✕ ऐसा चिह्न बनाओ।

पानी का उपयोग दर्शानेवाले योग्य चित्र के आगे ✓ ऐसा चिह्न और अयोग्य चित्र के आगे ✕ ऐसा चिह्न करवाएँ।

(क) आपदा प्रबंधन

चित्रों को देखो और पहचानो।

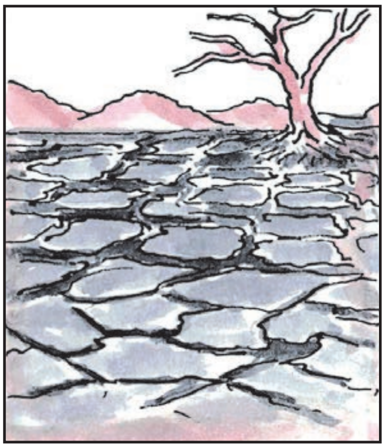

विद्‌यार्थियों को चित्रों द्‌वारा मौसम का परिचय करवाएँ। चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें। बारिश, बाढ़, तूफान, अशांत समुद्र, बिजली, बादलों से भरा हुआ आकाश, सूर्योदय, सूर्यास्त, चाँद, सितारें, ज्वार-भाटा, जंगल आदि प्राकृतिक घटकों द्‌वारा प्रकृति का परिचय करवाएँ। प्रश्न पूछकर वर्णन करवाएँ।

चित्रों का क्रम लगाकर, कहानी बनाएंगे।

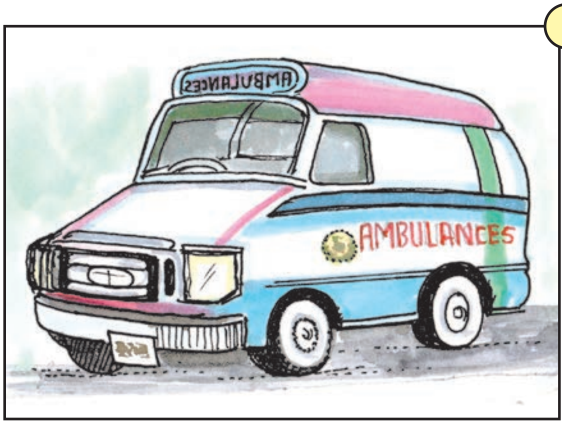

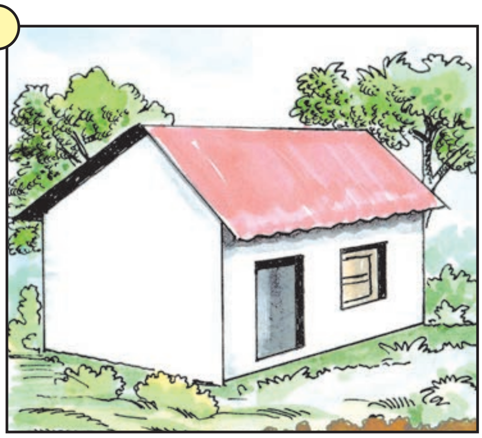

मेरी कृति

RC1PYZ

चित्र के आधार पर कहानी तैयार करो।

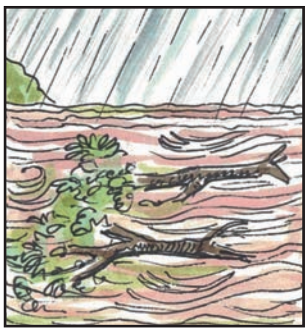

चित्रों का योग्य क्रम लगवाएँ। चित्रों के आधार पर कहानी तैयार करवाएँ।